3 रसखान

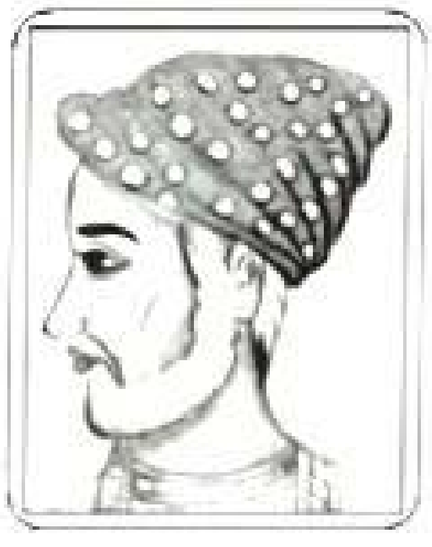

Scanned by TapScanner

रसखान

जीवन परिचय —

रसखान का जन्म सन 1533 ई० में दिल्ली में हुआ था। इनका वास्तविक नाम सैयद इब्राहीम था। ये दिल्ली के पठान सरदार कहे जाते थे। कुछ विद्वान इन्हे पिहानी का निवासी मानते हैं। रसखान किसी बादशाह के वंशज थे। 'प्रेमवाटिका' में उन्होने स्वयं वर्णित किया है।

इनके जन्म एवं स्थान के सम्बन्ध में मतभेद हैं। ये गुसाईं बिट्ठलनाथ के शिष्य थे। लगभग 1618 ई० के आस-पास इनकी मृत्यु हो गयी थी।

रसखान सगुण काव्यधारा के कृष्ण भक्ति शाखा के कवि माने जाते हैं। ये बड़े प्रेमी व्यक्ति थे। भगवान कृष्ण के प्रति अलौकिक प्रेम था।

रसखान की भाषा ब्रज थी। भाषा मधुर एवं सरस है। विभिन्न अलंकारों के प्रयोग से भाषा में चमत्कार प्रदर्शित हुआ है।

रचनाएँ — इनकी दो पुस्तकें प्रसिद्ध हैं — 'सुजान रसखान' एवं 'प्रेमवाटिका'।

सुजान रसखान सवैया छन्दों में रचित है। प्रेमवाटिका दोहा छन्द में रचित है।

Scanned by TapScanner

कवि-एक संक्षिप्त परिचय

- जन्म–सन् 1533 ई०।
- जन्म-स्थान–दिल्ली।
- अन्य जन्म-स्थान–पिलानी, हरदोई (उ.प्र.)
- गुरु–गुसाईं विट्ठलनाथ।
- रस–भक्ति, शृंगार।
- वास्तविक नाम-सैयद इब्राहीम।
- मृत्यु–सन् 1618 ई०।
- प्रमुख रचनाएँ-'सुजान रसखान', 'प्रेमवाटिका', 'बाल लीला', 'अष्टयाम'।
- भाषा-ब्रज।
- शैली-मुक्तक, सरल एवं परिमार्जित।

Scanned by TapScanner